B.A (Hons) Part III
Philosophy - Paper VII
Topic Meaning and Symbol of Symbolic Logic.

Dr. Sachidanand Prasad
Dept. of Philosophy
R.R.S. College, Mokama

तर्कशास्त्र एक ऐसा सामाजिक विज्ञान है जिसमें विचारों की अभिव्यक्ति, भाषा के रूप में की जाती है। इसप्रकार हमलोग कह सकते हैं कि प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र का अर्थ है- विचारों का भाषागत प्रतीकों के रूप में अभिव्यक्तिकरण। प्रतीक एक प्रकार का ऐसा प्रत्यय है जो संकेतन संबंध अथवा निर्देशन संबंध का बोध कराता है। संकेतन अथवा निर्देशन तीन प्रकार के होते हैं और इन तीन प्रकार के संबंधों के आधार पर ही प्रतीकों का निर्धारण भी किया गया है।

(1) सूचकीय संकेत :- वे सच्चे संकेत जिनके द्वारा कार्य-कारण का स्पष्ट ज्ञान प्राप्त करने में सहायता प्राप्त होती है।

(2) प्रतिभापरक संकेत :- इन संकेतों के अन्तर्गत दो वस्तुओं के मध्य साम्यता को प्रदर्शित किया जाता है।

(3) अभिसामयिक संकेत :- इन संकेतों

के अन्तर्गत उन संकेतो या प्रतीकों को सम्मिलित किया जाता है जो किसी पूर्व प्रचलित मान्यता पर आधारित वस्तु का बोध कराने में सहायक होते है। भाषा के क्षेत्र मे इन संकेतो का विशेष महत्व होता है क्योंकि भाषा का निर्माण, इन संकेतो के आधार पर ही होता है।

प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र के अन्तर्गत निम्नलिखित इकाइयाँ है।

(1) वाक्य
(2) प्रतीकों का प्रयोग
(3) युक्ति अथवा तर्क

वाक्य भाषा पर आधारित प्रतीकों की सबसे अधिक महत्वपूर्ण इकाई है। शब्दों की सत्यता अथवा असत्यता अथवा उनकी सार्थकता, वाक्य पर ही आश्रित होती है। भाषा के अन्तर्गत इन प्रतीकों का दो प्रकार से प्रयोग किया जाता है। प्रथम किसी सांकेतिक वस्तु को प्रदर्शित करने के लिए और द्वारा किसी संकेतिक वस्तु का उल्लेख करने के लिए। तर्कशास्त्र के अन्तर्गत युक्ति शब्द का प्रयोग तर्क की मूल इकाई के रूप में किया जाता है। प्रत्येक युक्ति में दो या दो से अधिक वाक्य सम्मिलित होते हैं। जिन कथनों का तर्क लेखक ~~वाक्य~~ अंगीकार वाक्यों के आधार पर करता है, यह युक्ति का निष्कर्ष

कहलाता है। यहाँ हमें यह जानना जरूरी है कि एक कथन किसी युक्ति में निष्कर्ष तो अन्य युक्ति में वही आधारवाक्य भी हो सकता है।

इसप्रकार निष्कर्ष के रूप में यह कहा जा सकता है कि प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र के अन्तर्गत भाषागत प्रतीकों की सपलता एवं पैयता कुछ पूर्व निर्धारित नियमों के आधार पर जाँच की जाती है। इसके अन्तर्गत जाँच हेतु कुछ ~~खास~~ विशिष्ट प्रतीकों अथवा संकेतों का प्रयोग किया जाता है।

उदाहरण के लिए Symbolic Name

① (·) And या Dot.

② (V) Veg

③ (⊃) Implication

④ (~) Negation

⑤ (≡) ~~Equivalent~~ Equivalent.
~~Equivalency~~